



SAFALTA CLASSTM

An Initiative by **अमरउजाला**

HISTORY BY- SUJEET BAJPAI SIR





✓ modern (comp)
✓ Ancient (u)
✓ [medieval] (u)

*मध्यकालीन भारतीय इतिहास *

अरब आक्रमण

- ❖ भारत पर पहला अरब आक्रमण 712 A.D. में मोहम्मद बिन कासिम, द्वारा सिंध के शासक दाहिर के विरुद्ध किया गया था ।
- ❖ कासिम ने भारत में जजिया नामक कर को आरम्भ किया था ।

- ❖ The first Arab invasion of India was carried out against the Ruler of Sindh, Dahir, by Mohammed bin Qasim in 712 A.D.
- ❖ Qasim started a tax called Jazia in India.



जजिया के बारे में:

- ★ जजिया गैर-मुस्लिमों से लिया जाने वाला एक प्रकार का सुरक्षा कर था ।
- ★ फिरोजशाह तुगलक ने जजिया को सर्वप्रथम ब्राह्मणों पर लागू किया था ।
- ★ अकबर ने जजिया कर को खत्म कर दिया था ।
- ★ औरंगजेब ने जजिया को दोबारा लागू किया था ।
- ★ मोहम्मदशाह ने जजिया को पूर्ण रूप से समाप्त कर दिया था ।

- ❖ About Jazia: Jazia was a kind of security tax taken from non-Muslims.
- ❖ Ferozshah Tughlaq first applied Jazia to Brahmins.
- ❖ Akbar had abolished the Jazia tax.
- ❖ Aurangzeb had re-introduced Jazia.
- ❖ Mohammad Shah had abolished Jazia completely.

मुहम्मद गजनवी

- ★ 17 बार आक्रमण
- ★ इसने भारत पर पहला आक्रमण 1001 में किया था।
- ★ इसका सर्वाधिक कुख्यात आक्रमण 1025 में सोमनाथ मंदिर पर किया गया आक्रमण था। उस समय गुजरात का शासक भीम-I था।

Afgh → To plunder India

- ❖ Mahmud of Ghazni attacked on India 17 times .
- ❖ Mahmud of Ghazni had his first invasion on India in 1001.
- ❖ His most notorious attack was the attack on the Somnath temple in 1025.
- ❖ In 1025 the ruler of Gujarat was Bhim-I.

(Gujarat)

- ★ इसका अन्तिम हमला 1027 में जाटों के विरुद्ध हुआ था ।
- ★ मुहम्मद गजनवी को प्रतिहार शासक नागभट्ट को हराया था ।
- ★ उत्बी इसका दरबारी इतिहासकार था ।
- ★ मुहम्मद गजनवी की मृत्यु 1030 में हुयी थी ।
- ★ The last attack of Mahmud of Ghazni was against Jats in 1027.
- ★ Mahmud of Ghazni was defeated by the Pratihara ruler Nagbhatta.
- ★ Utbi was court historian of Mahmud of Ghazni.
- ★ Mahmud of Ghazni died in 1030.

Note:-

- (i) फिरदौसी ने शाहनामा पुस्तक लिखी थी ।
- (ii) अलबरूनी ने किताब-उल-हिन्द नामक पुस्तक लिखी थी ।

Note:-

- (i) *Firdousi* wrote the book *Shahnama*.
- (ii) *Albaruni* wrote a book called *Kitab-ul-Hind*.

मुहम्मद गौरी

- ❖ इसका पहला हमला मुल्तान के विरुद्ध 1175 में हुआ था।
- ❖ गुजरात के शासक भीम-II ने 1178 में मुहम्मद गौरी को हराया था।

Mahmud of Ghor

- ❖ First attack of Mahmud of Ghor was against Multan in 1175.
- ❖ Ruler of Gujrat Bhim-II defeated Mahmud of Ghor in 1178.

city of ghor
PAK
multan / Gujarat

Haryana *तराइन के युद्ध*

- (I) 1191 :- पृथ्वीराज चौहान-(III) ने (मुहम्मद गौरी) को हराया था।
(II) 1192 :- मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को हराया था ।
(III)

Battles of Tarayin

- (I) 1191 :- Prithviraj Chauhan-3rd defeated Mahmud of Ghor.
(II) 1192 :- Mahmud of Ghor defeated Prithviraj Chauhan-3rd

- ❖ 1194 में चन्दावर के युद्ध में कन्नौज के शासक जयचंद को मुहम्मद गौरी ने हराया था।
- ❖ मुहम्मद गौरी की मृत्यु 1206 में हुयी थी। *by Chokar Tribe खोकर जनजाति*
- ❖ In 1194, the ruler of Kannauj, Jaichand, was defeated by Mahmud of Ghor in the War of Chandavar.
- ❖ Mahmud of Ghor died in 1206.

(mImp)

दिल्ली सल्तनत (1206-1526= 320 years)

1. गुलाम वंश Slave Dynasty (1206-1290) = 84 years
2. खिलजी वंश Khalji Dynasty (1290-1320) = 30 years (min)
3. तुगलक वंश Tughlaq Dynasty (1320-1414) = 94 years (max)
4. सैयद वंश Syed Dynasty (1414-1451) = 37 years
5. लोदी वंश Lodi Dynasty (1451-1526) = 75 years

गुलाम वंश

- ❖ संस्थापक- कुतुबुद्दीन ऐबक (1206-1210)
- ❖ राजधानी- लाहौर
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक को लाखबख्स (लाखों का दान देने वाला) और कुरान ख्वा भी कहा जाता है ।
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक ने कभी भी सुल्तान की उपाधि नहीं ली थी ।
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक को दिल्ली सल्तनत और गुलाम वंश का संस्थापक कहा जाता है ।

(1206-1290)

Slave Dynasty

- ❖ Founder – Qutub-ud-din Aibak (1206-1210)
- ❖ Capital- Lahore
- ❖ Qutub-ud-din Aibak is known as Lakhabaksha (a donor of millions) & Quran-Khwa
- ❖ Qutub-ud-din Aibak had never assumed the title of Sultan.
- ❖ Qutub-ud-din Aibak is said to be the founder of the Delhi Sultanate and Slave Dynasty.

- ❖ इसने दिल्ली में कुव्वत-उल-इस्लाम नामक मस्जिद की स्थापना की थी ।
- ❖ इसने अजमेर में अढाई दिन का झोपड़ा नामक मस्जिद का निर्माण करवाया था ।
- ❖ इसने दिल्ली में कुतुबमीनर का निर्माण गुरु बख्तियार काकी की याद में आरम्भ करवाया था ।

- ❖ He had set up a mosque called Kuvvat-ul-Islam in Delhi.
- ❖ He had constructed Adhai-din-Ka Jhopra mosque in Ajmer.
- ❖ He started the construction of Qutub Minar in Delhi in memory his teacher Bakhtiyar Kaki.

5 floors

- ❖ कुतुबमीनार का निर्माण इल्तुतमिश ने पूरा करवाया था ।
- ❖ कुतुबमीनार की पांचवीं मंजिल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था ।
- ❖ कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु 1210 में चौगान (पोलो) खेलते समय हुयी थी ।

- ❖ Qutub Minar was completed by Iltutmish.
- ❖ The fifth floor of Qutub Minar was constructed by Ferozshah Tughlaq.
- ❖ Quabuddin Aibak died while playing Chaugan (Polo) in 1210.

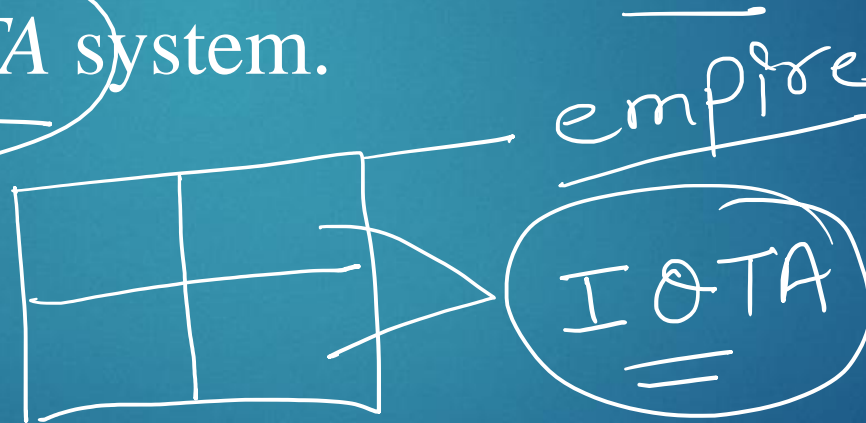
इल्तुतमिश(1210-1236)

- ❖ इल्तुतमिश को गुलाम का गुलाम भी कहा जाता है ।
- ❖ इल्तुतमिश ने चालीसा दल की स्थापना की थी ।
- ❖ इल्तुतमिश ने इक़ता प्रथा को आरम्भ किया था ।

Itutmish (1210-1236)

slave & Son-in-Law
of Agbak

- ❖ Itutmish is also known as the slave of a slave.
- ❖ Itutmish had founded the Chalisa Dal (Forty Knights).
- ❖ Itutmish started the IQTA system.



- ❖ इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसने तांबे के सिक्के (नाम:जीतल) चलवाए थे ।
- ❖ इसने चांदी के सिक्के भी चलवाए थे, टंका नाम से ।
- ❖ भारत पर मंगोलों का पहला हमला चंगेज खान ने इल्तुतमिश के समय में किया था ।

- ❖ Iltutmish was the first ruler of the Delhi Sultanate who started copper coins (Name: Jeetal).
- ❖ He also started silver coins in name of *Tanka*.
- ❖ The Mongols' first attack on India was carried out by Genghis Khan in the time of Iltutmish.

Temachim
Khan.

- ❖ इल्तुतमिश को दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक भी कहा जाता है।
- ❖ इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसने खलीफा से नियुक्त पत्र प्राप्त किया था ।

Ilutmish

- ❖ ~~Ilutish~~ is also known as the real founder of the Delhi Sultanate.

Ilutmish

- ❖ ~~Ilutamish~~ was the first ruler of the Delhi Sultanate to receive a appointment letter from the Caliph.

रजिया (1236-40)

- ❖ ये दिल्ली सल्तनत की पहली महिला शासिका थी।
- ❖ इसे अल्तूनिया ने हराया था, बाद में रजिया ने अल्तूनिया से विवाह किया था।
- ❖ इसने याकूत को अमीर-ए-आखूर नियुक्त किया था।
- ❖ रजिया की हत्या कैथल में हुयी थी।

1240 - 66
26 yrs

Raziya (1236-40)

- ❖ She was the first woman in the Delhi Sultanate.
- ❖ She was defeated by Altunia, later she married to Altunia.
- ❖ She had appointed Yakut as Amir-e-Akhur.
- ❖ Raziya was murdered in Kahehat.

Horse

Kaithal (HR)

बलबन (1266-87)

❖ उपाधि - उलुग खां

❖ इसने चालीसा दल का अंत कर दिया था।

❖ इसने स्वयं को फारस के अफरासियाब वंश से जोड़ा था ।

Balban (1266-87)

❖ Title - Ulug Khan

❖ He had put an end to the *Chalisa dal* (Forty Knights).

❖ He linked himself to the Afrasiab dynasty of Persia.

- ❖ इसने रक्त और लौह की नीति आरम्भ की थी ।
- ❖ इसने राजत्व का दैवीय सिद्धांत आरम्भ किया था ।
- ❖ इसने स्वयं को नियाबत-ए-खुदाई कहा था ।
- ❖ इसे जिल्ले इलाही भी कहते थे । *जिल्ले इलाही*
- ❖ He introduced the policy of blood and iron. *तलवार*
- ❖ He started the divine doctrine of the monarchy. *messy of God*
- ❖ He called himself *Niabat-e-Khudai*.
- ❖ He was also called Zil-e-ilahi. *(Shadow of God)*



फारसी ईरान

इसने अपने दरबार में फारसी परम्पराओं को आरम्भ किया था –

He started Persian traditions in his court :

1. सिजदा Sijda
2. पाबोस Pabos //
3. नवरोज Navroj (पारसियों का नया वर्ष, New year of Parsis)

खिलजी वंश(1296-1316)

- ❖ संस्थापक- जलालुद्दीन खिलजी (1290-1296)
- ❖ इसका वास्तविक नाम मलिक फिरोज था ।
- ❖ जलालुद्दीन खिलजी की हत्या उसके भतीजे अलाउद्दीन खिलजी ने की थी ।

Khalji Dynasty(1296-1316)

- ❖ Founder – Jalal-ud-din Khalji (1290-1296)
- ❖ His real name was (Malik Feroz.) //
- ❖ Jalal-ud-din Khalji was murdered by his nephew Ala-ud-din Khalji. }

अलाउद्दीन खिलजी (1296-1316)

- ❖ इसने स्वयं को सिकंदर-ए-सानी कहा था ।
- ❖ मालिक काफूर, अलाउद्दीन खिलजी के दरबार में उपस्थित था ।
- ❖ मालिक काफूर को हजार दिनारी भी कहते थे ।

Alauddin Khalji (1296-1316)

- ❖ He called Himself Sikandar-e-Sani.
- ❖ Malik Kafur was present at the court of Alauddin Khalji.
- ❖ Malik Kafur was also called *Hajar Dinari*.

❖ अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में निम्नलिखित का निर्माण करवाया था-

❖ Alauddin khalji had constructed the following in Delhi:

1. अलाई मीनार Alai Minar
2. अलाई दरवाजा Alai gate
3. चोर मीनार Chor Minar
4. हौज खस Hauz Khas
5. सीरी का किला Siri Fort



Delhi

- ❖ इसने अपनी सेना में हुलिया और दाग प्रथा को आरंभ किया था।
- ❖ He started the Hulias and Brand practice in his army.

❖ कर Tax:

1. चरी Chari
2. घरी Ghari
3. करी Kari

- ❖ दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसने दक्षिण भारत को जीता था ।
- ❖ भारत पर मंगोलों के सर्वाधिक हमलें इसी के समय में हुए थे ।
- ❖ दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसने अपनी सेना को नकद वेतन दिया था ।
- ❖ दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसके पास स्थायी सेना थी ।

- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate to win South India.
- ❖ Most of the Mongols attacks on India occurred during his time.
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate to pay salary in cash to his army.
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate to have a permanent army.

- ❖ इसने राणा रतन सिंह को हराकर चित्तौड़ को जीता था ।
- ❖ अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़ का नाम खिज़्राबाद रखा था ।
- ❖ चित्तौड़ के युद्ध में अमीर खुसरो भी उपस्थित थे ।
- ❖ He had won *Chhittor* by defeating Rana Ratan Singh.
- ❖ Alauddin khalji named *Chhittor* as Khizrabad.
- ❖ Amir Khusro was also present in the Battle of *Chhittor*.

4 Pool

- ❖ अलाउद्दीन खिलजी की हत्या मालिक काफूर ने की थी ।
- ❖ दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसने खलीफा की आज्ञा मानने से इंकार कर दिया था ।
- ❖ इस वंश का अंतिम शासक मुबारक खिलजी था ।

- ❖ Alauddin khalji was murdered by Malik Kafur.
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate who refused to obey the Caliph.
- ❖ The last ruler of this dynasty was Mubarak khalji.

तुगलक वंश (1320-1414)

- ❖ संस्थापक- गियासुद्दीन तुगलक
- ❖ गियासुद्दीन तुगलक ने तुगलकाबाद की स्थापना की थी ।
- ❖ गियासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली सल्तनत में नहरों का निर्माण करवाया था ।
- ❖ गियासुद्दीन तुगलक का सूफी संत निजामुद्दीन से मतभेद हो गया था ।
- ❖ गियासुद्दीन तुगलक की मृत्यु अफगानपुर में हुयी थी ।

Tughlaq Dynasty (1320-1414)

- ❖ Founder - Ghias-ud-din Tughlaq
- ❖ Ghias-ud-din Tughlak had founded Tughlakabad.
- ❖ Ghias-ud-din Tughlaq had constructed canals in the Delhi Sultanate.
- ❖ Ghias-ud-din Tughlaq had differences with Sufi saint (Nizamuddin.)
- ❖ Ghias-ud-din Tughlaq died in Afghanpur.

Ghazi
malik

मुहम्मद बिन तुगलक (1325-1351)

❖ मुहम्मद बिन तुगलक का वास्तविक नाम जौना खां था ।

❖ उपाधि- पागल राजा और आदर्शवादी

Muhammad bin Tughlaq (1325-1351)

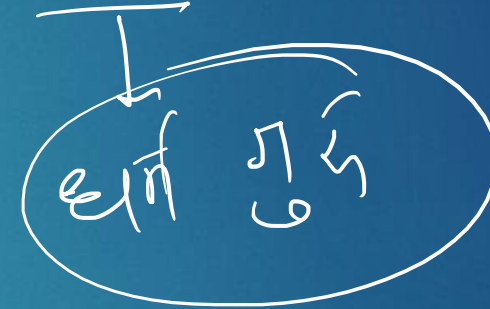
❖ The real name of Muhammad bin Tughlaq was Jauna Khan.

❖ Title - Mad King and Idealist.

Africa

- ❖ इब्नबतूता मोरक्को से इसी के समय में भारत आया था ।
- ❖ इब्नबतूता ने रेहला नामक एक पुस्तक (अरबी भाषा में) लिखी थी ।
- ❖ मुहम्मद बिन तुगलक ने इब्नबतूता को दिल्ली का काजी बनाया गया था ।

- ❖ Ibnbatuta came to India from Morocco at this time.
- ❖ Ibnbatuta wrote a book called Rehla (in Arabic).
- ❖ Muhammad Bin Tughlaq made Ibnbatuta Qazi of Delhi.



- ❖ इसने (दीवान-ए-कोही) की स्थापना की थी। (कृषि के विकास के लिए)
- ❖ ये अपनी राजधानी को दिल्ली से देवगिरी (दौलताबाद) ले गया था।
- ❖ इसने खुरासान और कराचिल पर आक्रमण किया।
- ❖ He founded Diwan-e-Kohi (for development of agriculture)
- ❖ He had shifted His capital from Delhi to Devgiri (Daulatabad).
- ❖ He invaded Khurasan and Karchil.

- ❖ दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसने सांकेतिक मुद्रा को आरम्भ किया था ।
- ❖ इसकी मृत्यु सिंध में हुयी थी ।
- ❖ यह दिल्ली सल्तनत का ये पहला शासक था जिसने हिन्दू त्योहारों में भाग लेना आरम्भ किया था ।

- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate who introduced the Token currency.
- ❖ He died in Sindh. — (1351)
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate who started participating in Hindu festivals.

फिरोजशाह तुगलक(1351-1388)

- ❖ इसे दिल्ली सल्तनत का अकबर कहा जाता है।
- ❖ आत्मकथा- फुतुहात-ए-फिरोजशाही
- ❖ ये अशोक के अभिलेखों को टोपरा और मेरठ से दिल्ली लाया था ।

Ferozshah Tughlaq

(1351-88)

founded Jamnpur

- ❖ He is called Akbar of the Delhi Sultanate.
- ❖ Autobiography - Futuhath-e-Firozshahi
- ❖ He brought Ashok's records from Topra and Meerut to Delhi.

HR

UP

- ❖ इसने दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक संख्या में नहरों का निर्माण करवाया था ।
- ❖ इसने दिल्ली सल्तनत में सर्वाधिक संख्या में फलों के बाग लगवाये थे ।
- ❖ Note:
तैमूर ने 1398 में नासिरुद्दीन तुगलक के समय में भारत पर हमला किया था ।

- ❖ He had constructed the highest number of canals in the Delhi Sultanate.
- ❖ He had the highest number of orchards in the Delhi Sultanate.

Note: Taimur attacked on India in 1398 at the time of Nasiruddin Tughlaq.

सैयद वंश(1414-1451)

- ❖ संस्थापक Founder - खिज्र खान Khijra Khan
- ❖ अंतिम शासक Last Ruler - अलाउद्दीन आलम शाह Alauddin Alam Shah

लोदी वंश

❖ संस्थापक- बहलोल लोदी

❖ बहलोल लोदी की मृत्यु के बाद उसका पुत्र सिकंदर लोदी सत्ता में आया था ।

❖ Founder - Bahlol Lodi

❖ After the death of Bahlol Lodi, his son, Sikandar Lodi, came to power.

सिकंदर लोदी

- ❖ इसका वास्तविक नाम निजामशाह था ।
- ❖ इसने आगरा की स्थापना की थी और इसे दिल्ली सल्तनत की राजधानी बनाया था ।
- ❖ इसने गज-ए-सिकंदरी (जमीन की माप के लिए) को आरम्भ किया था ।
- ❖ इसने गुलरूखी के नाम से कवितायें लिखी थीं।

* Sikandar Lodi* (1489-1517)

- ❖ His real name was Nizamshah.
- ❖ He had founded Agra and made the capital of the Delhi Sultanate.
- ❖ He started Gaj-e-Sikandari (for measuring land).
- ❖ He wrote poems in the name of Gulrukhi.

इब्राहीम लोदी(1517-1526)

- ❖ यह दिल्ली सल्तनत और लोदी वंश का अंतिम शासक था ।
- ❖ इसे बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध में हराया था।
- ❖ यह दिल्ली सल्तनत का पहला शासक था जिसकी मृत्यु युद्ध के मैदान में हुयी थी ।

Ibrahim Lodi(1517-1526)

1556
30 yrs

- ❖ He was the last ruler of the Delhi Sultanate and the Lodi dynasty.
- ❖ He was defeated by Babar in the first battle of Panipat. (1526)
- ❖ He was the first ruler of the Delhi Sultanate to die on the battlefield.